हिंदी

Class-5

रंगोली

पाठ-17

हारिए ना हिम्मत

Date __/__/____

पाठ - 17

हारिए न हिम्मत

शब्दार्थ :-

1. परिणाम - नतीजा
2. सुस्ताना - आराम करना
3. नियमित - नियम से
4. अनुरोध - विनती
5. उमंग - जोश
6. गर्व - अभिमान
7. नसीहत - शिक्षा

प्रश्नोत्तर :-

1. अरविंद किसे देखकर हैरान हुआ और क्यों?

उ॰ अरविंद कैलाश को देखकर हैरान हुआ क्योंकि कैलाश उस दिन खेलने नहीं गया।

2. अरविंद ने कैलाश को कौन-सी कहानी सुनाई?

उ॰ अरविंद ने कैलाश को कछुए और खरगोश की कहानी सुनाई।

3. कैलाश खेलने क्यों नहीं गया?

उ॰ हमेशा कक्षा में प्रथम आने वाला कैलाश इस बार कक्षा में कोई भी स्थान प्राप्त नहीं कर पाया था। इसलिए वह उदास था एवं खेलने नहीं गया।

Date __/__/____

4. धीरे-धीरे चलने पर भी कछुआ दौड़ क्यों जीता?

उ० धीरे-धीरे चलने पर भी कछुआ दौड़ जीत गया क्योंकि वह चलता रहा, रुका नहीं और खरगोश रास्ते में रुककर आराम करने लगा।

5. कैलाश ने क्या निश्चय किया?

उ० कैलाश ने निश्चय किया कि वह हिम्मत से काम लेगा और घोर परिश्रम करेगा, वह भी नियमित रूप से।

लिखित

भाषा कौशल–सही उत्तर का चुनाव, चिंतन, अवबोधन, प्रत्यास्मरण, लिखित अभिव्यक्ति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) कैलाश ने परीक्षा में कौन-सा स्थान प्राप्त किया?

(i) प्रथम ☐ *(ii)* द्वितीय ☐ *(iii)* कोई भी नहीं ☑

(ख) खरगोश कैसे भागता है?

(i) तेज़ ☑ *(ii)* धीरे-धीरे ☐ *(iii)* लँगड़ाकर ☐

(ग) 'सब सूना-सूना-सा लगता है'–यह किसने कहा?

(i) पिता जी ने ☐ *(ii)* अरविंद ने ☐ *(iii)* कैलाश ने ☑

(घ) 'असफलता' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?

(i) अ ☐ *(ii)* ता ☑ *(iii)* अस ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कैलाश खेलने क्यों नहीं गया?

(ख) खरगोश ने कछुए से क्या कहा?

(ग) कैलाश ने अपने पिता जी के सामने अपनी गलती कैसे स्वीकार की?

(घ) कैलाश ने क्या निश्चय किया?

3. किसने कहा, किससे कहा?

	किसने	किससे
(क) "क्या तुम कभी घर से बाहर नहीं निकलोगे?"	अरविंद ने	कैलाश से
(ख) "मन के हारे हार है मन के जीते जीत।"	अरविंद ने	कैलाश से
(ग) "कैसे कहूँगा कि मैं कोई भी स्थान प्राप्त नहीं कर सका?"	कैलाश ने	अरविंद से
(घ) "हमें अपनी भूलों से नसीहत लेनी चाहिए।"	पिताजी ने	कैलाश से
(ङ) "मैं भी अब हिम्मत से काम लूँगा।"	कैलाश ने	पिताजी से

4. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) अरविंद ····हैरान···· हुआ, क्योंकि कैलाश खेलने नहीं गया। (हैरान/परेशान)

(ख) कैलाश ने कक्षा में ····कोई भी···· स्थान प्राप्त नहीं किया। (प्रथम/कोई भी)

(ग) कैलाश को लग रहा है कि कोई ····कीमती···· वस्तु उससे छीन ली गई हो। (कीमती/सस्ती)

(घ) खरगोश ····तेज़-तेज़···· भागता है। (धीरे-धीरे/तेज़-तेज़)

(ङ) कैलाश को सब ......सूना-सूना...... सा लगता है। (सूना-सूना/अच्छा-अच्छा)

(च) ऑफ़िस से आते ही पिता जी ने कैलाश से उसका ......परीक्षा...... परिणाम पूछा। (हाल-चाल/परीक्षा-परिणाम)

मूल्यपरक प्रश्न

- सफलता प्राप्त करने के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए?
- सफलता न मिलने पर या गलती होने पर आप क्या करेंगे? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

भाषा ज्ञान

भाषा कौशल–विलोम शब्द, कर्म कारक, क्रियाविशेषण

1. **विलोम शब्द लिखिए–**

(क) उदास	– ......प्रसन्न......	(ख) बाहर	– ......अंदर......
(ग) दिन	– ......रात......	(घ) पीछे	– ......आगे......
(ङ) जीतना	– ......हारना......	(च) तेज़	– ......धीरे......
(छ) थोड़ा	– ......ज़्यादा......	(ज) ठीक	– ......गलत......
(झ) दुखी	– ......सुखी......	(ञ) सफलता	– ......असफलता......

2. **जब क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है तो उसे कर्म कारक कहते हैं; जैसे– मोहन पुस्तक पढ़ता है। निम्नलिखित वाक्यों में कर्म को रेखांकित कीजिए–**

(क) कक्षा में परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

(ख) अरविंद उसे कहानी सुनाने लगा।

(ग) रोज़ का काम रोज़ खत्म कर लो।

(घ) हमें भी कछुए की तरह लगातार काम करना चाहिए।

3. **एक दिन कछुआ धीरे-धीरे चला जा रहा था। वाक्य में रेखांकित पद क्रिया की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए क्रियाविशेषण हैं। निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए–**

(क) वह उसे वहाँ देखकर हैरान हुआ। ......वहाँ......

(ख) मैं कैसे भी चलूँ, लेकिन किसी बात में तुमसे पीछे नहीं रहता। ......पीछे......

(ग) वह तेज़ भागता है। ......तेज़......

(घ) वह लगातार चलता रहा। ......लगातार......

(ङ) काम रोज़ खत्म कर लो। ......रोज़......

(च) थोड़ा पढ़ लेता तो आज यह दिन नहीं देखना पड़ता। ......थोड़ा......

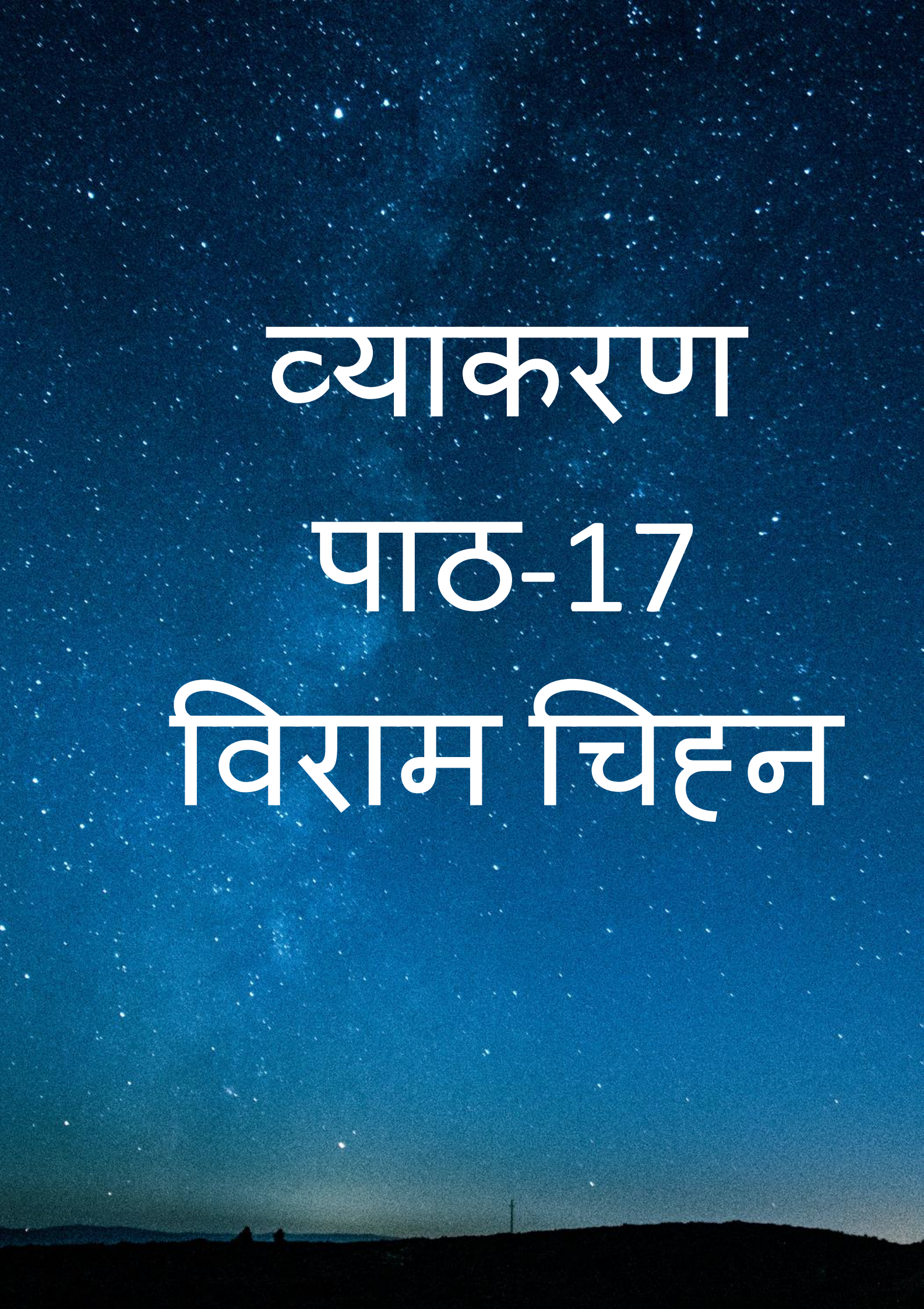

व्याकरण
पाठ-17
विराम चिह्न

आइए, अब लिखें

1. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

(क) निखिल, राघव, अभिषेक, कमल, विजय और नकुल के साथ लखनऊ जा रहा है।

(ख) 'डॉ राजेंद्र प्रसाद' हमारे प्रथम राष्ट्रपति थे।

(ग) चाणक्य ने चंद्रगुप्त से कहा, महाराज मैं आपके प्रश्नों का उत्तर अवश्य दूँगा।

(घ) ओह! आज बहुत ठंड है।

2. उचित मिलान कीजिए–

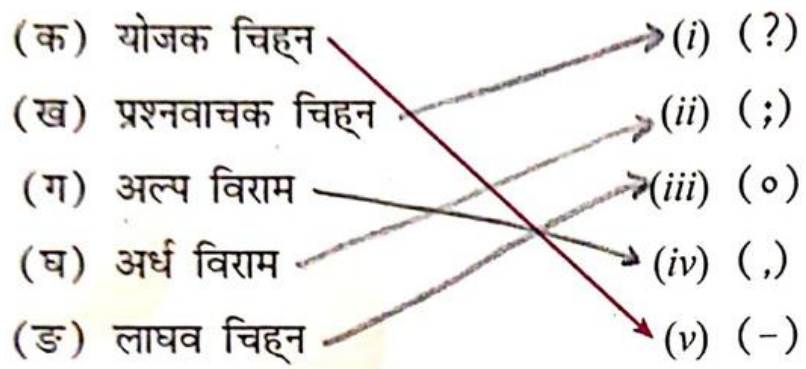

3. निम्नलिखित अनुच्छेद में कहीं-कहीं गलत विराम-चिह्नों का प्रयोग हो गया है। उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके अनुच्छेद दुबारा लिखिए–

आधी छुट्टी होते ही लड़कों ने सुभाष को घेर लिया? सब उसे घूर-घूरकर देख रहे थे, पाँच साल का नन्हा सुभाष रुआँसा हो गया। सब विदेशी बच्चे थे! एक वही तो पूरी कक्षा में भारतीय था। वह सोचने लगा–'पता नहीं, पिता जी ने मुझे इस बैप्टिस्ट मिशन स्कूल में क्यों दाखिल कराया है!' "ओ माँ। रक्षा करो?" सुभाष के मुँह से यह शब्द सुनते ही अंग्रेज़ बच्चे 'व्हाट, व्हाट' करके उसकी जान के पीछे पड़ गए?

आधी छुट्टी होते ही लड़कों ने सुभाष को घेर लिया। सब उसे घूर-घूरकर देख रहे थे। पाँच साल का नन्हा सुभाष रुआँसा-सा हो गया। सब विदेशी बच्चे थे। एक वही तो पूरी कक्षा में भारतीय था। वह सोचने लगा- "पता नहीं, पिताजी ने मुझे इस बैप्टिस्ट मिशन स्कूल में क्यों दाखिला कराया है।" "ओ माँ! रक्षा करो।"- सुभाष के मुँह से यह शब्द सुनते ही अंग्रेज़ बच्चे 'व्हाट-व्हाट' करके उसकी जान के पीछे पड़ गए।

4. सही विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य दुबारा लिखिए–

(क) वह मेरे घर आता, जाता रहता है;

वह मेरे घर आता-जाता रहता है।

(ख) "क्या आप चलते; चलते थक गए हैं।"

क्या आप चलते-चलते थक गए हैं?

(ग) रीमा ने बाज़ार से फल; सब्ज़ियाँ; दालें व मसाले खरीदे।

रीमा ने बाज़ार से फल, सब्ज़ियाँ, दालें व मसाले खरीदे।

(घ) दिव्या-राहुल-सीमा और कपिल पढ़ रहे हैं।

दिव्या, राहुल, सीमा और कपिल पढ़ रहे हैं।

ज़रा सोचिए तो

• विराम का अर्थ है–रुकना या ठहरना। दैनिक जीवन में ऐसी कौन-सी चीज़ें हैं, जो हमें रुकने या ठहरने का संकेत देती हैं?

करके देखिए

• विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए अपनी कक्षा के बारे में 50 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

जीवन-मूल्य

• रुको, देखो, समझो और फिर प्रयास करो। जीवन के ये तीन विराम ही सफलता के सूचक हैं।

अनुच्छेद
लेखन

Date __/__/____

अनुच्छेद लेखन

मीठी बोली

जिह्वा सभी को मिली है किन्तु बोलना सिर्फ मनुष्य के लिए संभव है। मनुष्य की सफलता में जहाँ अनेक बातों का महत्व है, वहाँ मधुर व्यवहार तथा मीठी बोली से हम दूसरों के हृदय को आसानी से जीत सकते हैं। मीठा बोलने से अपने मन को तो शांति मिलती ही है, सुनने वाले का मन भी प्रसन्न हो जाता है। संसार के सभी धर्मों में मधुर वचन के महत्व को स्वीकार किया गया है। बोली से ही व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान हो जाती है क्योंकि किसी व्यक्ति के गुण तो साथ रहने पर धीरे-धीरे प्रकट होती है जबकि बोली की गरिमा तत्काल प्रकट होती है। मीठी बोली बोलनेवाले के स्वागत के लिए संसार में चारो तरफ अमीर-गरीब, परिचित-अपरिचित सबके द्वार खुले रहते हैं। इसलिए हमें हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

धन्यवाद